Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan

A Complete Rajasthan Rural Develeopment Mission

Newsletter

Jan 2018 to March 2018

Vol. - 8, Issue - 1

Parivartan

Rajasthan Integrated Welfare Institute

// सर्वे भवन्तु सुखिन //

RSKS INDIA

Rajasthan Samgrah Kalyan Sansthan Newsletter

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान ने समाज कल्याण के क्षेत्र में गौरव मय 25 वर्ष पूर्ण किये है। इन वर्षो में संस्थान ने समाज के हर तरीके व वर्ग के लोगों के लिए कल्याणकारी कार्य किये है। वर्तमान में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा 9 सामाजिक मुद्धों पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें से महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि प्रमुख है। इस तिमाही में वर्तमान में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा किये गये सामाजिक विकास कार्य निम्न है।

1. महिला सशक्तिकरण :– महिलाओं को आर्थिक रू प से सशक्त बनाने के लिए वर्तमान में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा ग्रामीण महिलाओं को समूह के माध्यम से एकजुट किया जाता है और स्वयं सहायता समूह का निमार्ण किया जाता है। इस तिमाही में वर्तमान में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा 80 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह का निर्माण किया गया।

वर्तमान में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा इन महिलाओं को बैंक के सहयोग से कम ब्याज दर पर लोन दिलाया गया। जिसका उपयोग महिलाओं ने रोजगार खोलने के लिए कर रही है। वर्तमान में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा समय समय पर सभी स्वयं सहायता समूह की मासिक बैठक लि जाती है। बैठक के दौरान महिलाओं की कार्य की जानकारी ली जाती है। व साथ ही उन्हें वित्तीय व सरकारी योजनाओं की जानकारी दि जाती है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के जीवन कौशल विकास के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा हैं

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा महिला हिंसा रोकथाम हेतु इस तिमाही कई प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीसांगन ब्लॉक के दुर्गम गॉव में जागरूकता रैली कार्यशाला, हस्ताक्षर आदि के माध्यम से समाज को जागरूक बनाने का कार्य किया गया। इसी प्रकार कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, बालिका शिक्षा, लैंगिक असमानता, आदि सामाजिक विषयों पर स्कूली बालिकाओं को पोस्टर प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से जागरूक किया गया। इसी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिससे उन्हें प्रोत्साहन मिला और साथ ही बालिकाएँ जागरूक भी हुई है।

Vol. - 8
Issue - 1

2. कौशल विकास प्रशिक्षण :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गरीब व वंचित समूदाय की महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वरोजगार बनाने हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस तिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गॉव राजगढ में गारमेन्ट मेकिंग, गॉव माकडवाली में बेग मेकिंग व घूघरा गॉव में सिलाई प्रशिक्षण का आयोजगन किया गया। तीन माह के इन प्रशिक्षण में महिलाएँ प्रतिदिन 5 घण्टे अपना प्रशिक्षण लेती थी। और गारमेन्ट मेकिग व बेग मेंकिग का कौशल सिखती। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, जीवन कौशल, व क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें महिलाओं के जीवन कौशल में भी विकास हुआ व साथ ही उनकी क्षमता में भी वृद्धि हुई। प्रशिक्षण के अन्त में महिलाओं के लिए प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। जिससे महिलाओं को मार्केटिंग का ज्ञान भी मिल पाया। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद सभी महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। जो कि महिलाओं को रोजगार खोलने में सहयोग करेगा।

3. पर्यावरण :–

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए विशान स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है जिससे हमारा पर्यावरण स्वच्छ बन पायेगा। इस तिमाहि में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा स्कूल, सडक किनारे, मंदिरों व अस्पतालों में पौधारोपण का कार्य किया गया। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा समय – समय पर लगाये गये सभी पौधों के रख रखाव का कार्य भी किया गया। और साथ ही जानवरों से सुरक्षित करने के लिए ट्री गार्ड भी लगाये गये। पर्यावरण सरंक्षण के प्रति समाज को जागरूक बनाने के लिए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सभी उम्र के लोगो ने उत्साहित हो कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को जाना। कार्यशाला में लोगों को अधिक से अधिक पौधारोपण का संदेश दिया।

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा पर्यावरण के लिए स्कूलों में भी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बच्चों को पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से पर्यावरण का महत्व समझाया। श्रेष्ठ पोस्टर बनाने वाले बच्चों को पुरूस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गौरेया चिडिया के संरक्षरण हो इस तिमाही में इको फेडली घोसले लगाने का कार्य किया गया। इस तिमाहि में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्व ारा 75 से अधिक घोसले लगाये गये। समय समय पर इनके रख रखाव का कार्य भी किया जाता है। ये घोसले स्कूलों, अस्पताल, मन्दिरों व सडक किनारे लगाये जिससे देखने में आया है कि अब वहॉ गौरेया चिडिया की संख्या में वृद्धि हुई है।

4. Child Rights's & Welfare :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा झुग्गी बस्ती में रहने वाले गरीब बेसहरा बच्चों का पूर्ण विवरण डाटा तेयार किया। 500 से अधिक बेसहरा व खानाबदोश बच्चों का डाटा तेयार किया गया जिसमें उनकी सामाजिक, आर्थिक व स्वास्थ्य संबधि समस्याओं की पूर्ण जानकारी है। इस डाटा के सहयोग से गरीब व बेसहरा बच्चों की आधार भूत जरूरतों का भी पता लग पाया है जिसकी पूर्ती हेतु राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान ने इस तिमाहि में कार्य किया।

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा शहर कि झुग्गी बस्ती में रहने वाले गरीब बच्चों व सडक किनारे रहने वाले खानाबदोश बच्चों की आधार भूत जरूरतों को पूरी की जा रही हैं इस तिमाहि में 250 से अधिक बच्चों को नई ड्रेस, जूते, चप्पल, खाने के सामान व साथ ही खिलौने व सोफट् टॉय वितरित किये गये। जिससे इन बच्चों कि मूल भूत जरूरत की पूर्ति हो पाई। बच्चे इस सामग्री को प्राप्त करके बेहद खुश हुए। क्योकि आज से पहले इन बच्चों ने नई ड्रेस, जुते व स्वादिष्ट खाने का लुफ्त नहीं उठाया था।

5- Disaster & Recovery :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा प्राकृतिक आपदा से लोगो को राहत देने के लिए वृहद स्तर पर राहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पश्चिमी राजस्थान के बाडमेंर क्षेत्र में आये भिषण बाढ के कारण वहॉ के लोगो का जीवन रूक सा गया ओर उन्हें जान माल की क्षति हुई । बाढ के कारण कई लोगों के घर उजड गये और कई लोगों की फसल व पशुधान नष्ट हो गयें। ऐसे समय में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान ने मदद का हाथ बढाया और विशाल स्तर राहत कार्य चलाया।

कुल चार चरणों में इस राहत कार्य को पूर्ण किया गया। प्रथम चरण में बाढ पीढ़ित परिवारों की खाद्य आपूर्ति के लिए राशन का सामान वितरित किया गया। जिससे पिडित परिवारों को दो वक्त का खाना मिल पाया। इसी प्रकार द्वितीय चरण में परिवारों को पिडित परिवारों को ठण्ड से राहत देने के लिए कम्बल दिये गये व साथ ही मच्छरों के प्रकोप से बचने के लिए मच्छरदानी का वितरण किया गया। जिससे बाढ पिडित परिवार रात में चेन कि मिठी निंद ले पाये। बाढ के कारण आधिकांश लोगों का रोजगार नष्ट हो गया। जिसके मद्धेनजर तीसरे चरण में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा पिडित परिवारों को बकरी पालन के लिए बकरियॉ बांटी गयी जिससे पिडित परिवारों का रोजगार स्थापित हो पाया। चौथें व अंतिम चरण में चयनित परिवारो को पक्के घर बनवा कर दिये गये। जिन बाढ पिडित परिवार के बाढ के कारण घर नष्ट हो गये थे उन्हें सुरक्षित आवास दिया गया। इस राहत कार्य से पिडित परिवारों के जीवन में परिवर्तन आया है। और साथ ही इनका मानवता पर विश्वास कायम है।

6. Health :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई प्रकार के कल्याणकारी कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इसी दिशा में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा राजगढ़ निवासी रोहन कि सहायता कि गई। रोहन बचपन से विकलांग है। और अपने कार्य के लिए भी वो अपने परिवार वालों पर निर्भर है। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा रोहन को ट्राई साइकिल दी गयई और साथ ही रोजगार के लिए दुकार लगा कर दि जिससे रोहन पूरे गॉव में घुम घुम कर रोजगार पा रहा है। ट्राईसाइकिल के सहयोग से रोहन को रोजगार मिल पाया है। और साथ ही वह अपने परिवार की सहायता कर पा रहा है।

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए बी फ्रि कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं को निःशुल्क सेनेट्री नेपकिन वितरण किया गया। जिससे महिलाओ का मासिक दिवस सुरक्षित हो पाया है। ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने के लिए कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें महिलाआकें को स्वास्थ्य के प्रति जागरू क किया गया। साथ हि महिलाओं को जागरूक किया गया कि वह मासिक दिवस के दौरान सेनेट्री नेपकिन का उपयोग करे। जिससे उनका मसिक दिवस सुरक्षित हो पाये और उनका जीवन बेहतर हो पाये।

डाबर के सहायोग से राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान को 5500 से अधिक च्वव्यनप्राश प्राप्त हुए जिसे राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान ने इन तिमाहि में वितरित करने का कार्य किया राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा वृद्धाश्रम, अनाथाश्रम, स्कूल, आंगनबाडी, व गरीब महिलाओं को च्वव्यनप्राश वितरित किये गये। इससे बुजुर्गो और बच्चो का स्वास्थ्य बेहतर हो पाया है। साथ ही इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि हुई है। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान के अथक प्रयासों द्वारा बुजुर्गों, महिलाओं, एवं बच्चों के स्वास्थ्य में वृद्धि हो रही है। और ये स्वस्थ्य हो रहे है।

"अच्छे स्वास्थ्य का मतलब शारिरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से मजबूती है"

मच्छरों से होने वाली बीमारी से लोगो को जागरूक व सुरक्षित करने हेतु राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा मच्छरदानी वितरण व कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस तिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा झुग्गी बस्ती क्षेत्र में मच्छरदानी का वितरण किया गया जिससे वहॉ रहने वाले रात में चेन कि मिठी निन्द ले पाये। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिससे क्षेत्रवासीयों को मच्छरों से होने वाली बिमारियों व उनसे बचने का उपाय बताया गया। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा प्रोत्साहन से सभी क्षेत्रवासियों ने मिलकर वहॉ स्वच्छता अभियान चलाया व क्षेत्र की सफाई कि जिससे वहॉ मच्छर नहीं हो पाये और स्वच्छ वातावरण बन पाये।

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गंभीर रूप से पीडित टी. बी. मरिजों को राहत देने के लिए उन्हें प्रोटिन खाद्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा प्रतिमाह नियमित रूप से TTB, MDR मरिजों को प्रोटिन युक्त डाईट दी जा रही है। जिसके अन्तर्गत इस तिमाही में इन मरिजों को मुंग दाल, चना दाल, सोयाबीन, अण्डे, प्रेाटीन बार, प्रोटिनेक्स आदि का वितरण किया गया। नियमित प्रोटिन आहार मिलने से मरिजों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। जिससे अब उनके वजन में इजाफा हुआ है। यह मरिज अब स्वस्थ्य हो रहे है और दैनिक जीवन के स्वयं के कार्य कर पा रहे है।

बुजुर्ग व असहाय वृद्ध महिलाओं की दो वक्त की खाद्य आपूर्ति के लिए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा उन्हें राशन का सामान वितरित किया जा रहा है। आर्दश गॉव भांवता में रहने वाली 7 बुर्जुग महिलाओं में नियमित रूप से महिला राशन सामग्री दि जा रही हैं जिसमें आटा, दाले, चावल तेल, साबुन, शक्कर, मसाले, सब्जी, दुध, आदि शामील है। राशन मिलने से इन गरीब वृद्ध महिलाओं का मासिक खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित हो जाती है और उन्हें किसी के आगे हाथ फैलने की जरूरत नहीं होती है।

इस तिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा IGSSS के माध्यम से जिला सवाईमाधोपरू में पॉजिटिव फादर हुड का काय्रकम संचालन किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत अभी सर्वे कार्य पूर्ण किया। इस कार्यक्रम के लिए 20 गॉव का चयन किया गया जिसमें 1500 परिवारों का चयन किया गया। इन परिवारों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाया जायेगा। जिससे इनके जीवन स्तर में और स्वास्थ्य में सुधार हो पायेगा।

7. **Education** :– बालिकाओं की शिक्षा विकास के लिए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पाठशाला स्कूल का संचालन किया जा रहा है। पीसांगन ब्लॉक के गॉव भांवता, नाथूथला, गुर्जरों की ढाणी, भीमपूरा में पाठशाला का संचालन किया जा रहा है। इन सभी पाठशाला में 150 से अधिक बालिकाओं को उच्च स्तरीय शिक्षा दि जा रही है। बच्चों को सरलता पूर्वक खेल खेल में ज्ञान दिया जा रहा है। समय समय पर सभी पाठशाला में खेल प्रतियोगिता व अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

Vol. - 8
Issue - 1

शिक्षा से वंचित महिलाओं को शिक्षा विकास के लिए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गॉव भांवता में उडान स्कूल का संचालन किया जा रहा है। जिसमें 15 अनपढ महिलाओं को पढने व लिखने की शिक्षा दि जा रही है। उडान के माध्यम से महिलाओं को शिक्षित बनाने का कार्य किया जा रहा है। ये महिला लिखना और पढना सिख चुकी हैं और साथ ही दैनिक दिनचर्या के हिसाब किताब सरलता पूर्वक कर पा रही है। ये महिलाएँ अखबाल पढती है और स्वयं के हस्ताक्षर कर लेती है। जिससे अब ये साक्षर बन गई है।

राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान और स्नेपडील के सहयोग से स्कूली बच्चों को शिक्षण सामाग्री वितरण करने का कार्य किया जा रहा है। इस तिमाही में स्नेपडील के सहयोग से प्राप्त हुई स्टेशनरी को राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो की स्कूलो में वितरित किया जा रहा है जिससे बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में कोई बाधा न हो सके। स्नेप डील के सहयोग से बच्चों को स्केल, पेन्सिल, रबर, पेन, शॉपनर आदि वितरित किये गये। जिसे प्राप्त कर बच्चों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड पडी।

इस तिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा आंगनबाडी विकास के लिए पीसांगन ब्लांक की 20 आंगनबाडीयों का चयन कर वहॉ के बच्चों को ऊनी ड्रेस का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित आंगनबाडी बच्चों को ऊनी टोपी स्वेटर, जूते व हाथ के दस्ताने दिये गये। गरीब बच्चों को ठण्ड से बचाव के लिए ऊनी ड्रेस का वितरण किया गया। जिससे नन्हें मुन्ने बच्चें सुबह आंगनबाडी में आ सके।

8. Awareness & Campaigning :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा समय समय पर आने वाले सामाजिक दिवस एवं त्योहारों को बडे हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है।

इसी कडी में इस तिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा निम्न दिवसों का आयोजन किया गया।

महिला दिवस :– महिलाओं के सामाजिक उत्थान के लिए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा 8 मार्च को गॉव राजगढ़, पीसांगन, व कडैल में महिला दिवस का आयोजन किया गया। इन तीनों कार्यक्रमों में 1400 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम के दौरान कार्यशाला का आयोजन किया गया। और साथ प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। और साथ ही मनोरंजन के लिए खेल खिलायें गयें इन अवसर पर महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तीति दि गई। इन सभी गतिविधीयों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। जिससे उनका उत्साह वर्धन हुआ।

राष्ट्रीय बालिका दिवस :– समाज में बालिका की महत्वता को बढाने के लिए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा दुर्गम क्षेत्र गॉव की बालिका विद्यालय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बालिका विद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर के माध्यम से बालिकाओं ने समाज को एक ठोस संदेश दिया।

होली स्नेह मिलन :– रंगों के त्योहार होली पर राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा संचालित पाठशाला में बच्चों ने आपस में एक दुसरे के रंग लगाकर होली की शुकामानाएँ दी। एक अन्य कार्यक्रम में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा गरीब व झुग्गी बस्ती में रहने वाले बच्चो के साथ होली का पर्व मनाया। इन गरीब बच्चों को गुलाल, पिचकारी व मिठाईयॉ बांटी गई। बच्चों ने उत्साहित होकर होली खेली ओर अन्त में आपस में एक दुसरे को मिठाई खिलाकर एक दुसरे को होली की शुभकामनाएँ दी ।

9. अवार्ड :–

1. वर्ड सीएसआर कॉग्रेस द्वारा राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान को बेहद सामाजिक कार्य हेतु सम्मानित किया गया। ये पुरूस्कार दो श्रेणी के लिए दिया गया।

*एनजीओं लीडरशीप एक्सीलेंट अवार्ड फॉर वूमन एम्पॉवरमेन्ट केट्रेग्री

* सट्रिफिकेट ऑफ मेरिट

2. गाईड स्टार अवार्ड :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान के सभी सामाजिक कल्याण कार्यो में पारदर्शिता हेतु गाईड स्टार की ओर से अवार्ड दिया गया। कार्य में पारदर्शिता के लिए ये पुरूस्कार दिया जाता है। जिसके लिए राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान का चयन किया गया।

10. Training, Meeting & Workshop :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान समय समय पर मिटिंग, ऑफिस स्टाफ की क्षमता निर्माण व ज्ञान वर्धन के लिए उन्हें ट्रैनिंग, मिटिंग व वर्कशॉप में भेजती है। जिससे स्टाफ की क्षमता में वृद्धि हो पाये। इस तिमाही में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा निम्न ट्रैनिंग, मिटिंग व वर्कशॉप में भाग लिया गया।

1. स्किल नेट :– FVTRS Bangalore द्वारा आयोजित स्किल नेट की मिटिंग में संस्थान की ओर से दो स्टाफ ने भाग लिया जिसमें स्किल नेट को लेकर चर्चा हुई और आगे तक ले जाने का निर्णय लिया।

2. टाटा ट्रस्ट :– टाटा ट्रस्ट की ओर से आयोजित भोपाल में वर्कशॉप में संस्थान की ओर से दो स्टाफ ने भाग लिया। इस वर्कशॉप में सीआरएस समूह की जानकारी दी गई और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

3. FMFS :– FMFS कि ओर से दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमें अकांउट और मैनेजमेंट की पूर्ण जानकारी दी गई। संस्थान की ओर से दो सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया।

4. BIRD CSR CONGRESS :– BIRD CSR CONGRESS द्वारा मुम्बई में एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान को दो श्रेणी में पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया।

5. E-SHAKTI :– नाबार्ड की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह को पूर्ण रूप से डिजिटल करने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें संस्था की ओर से दो प्रतिभागियों ने भाग लिया। और स्वयं सहायता समूह की डिजिटल कार्य को जाना।

6. सुमा :– सुमा चेतना संस्था, अहमदाबाद की ओर से सुरक्षित मातृत्व पर एक दिवसीय मिटिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हमारी आवाज सुनों कार्यक्रम को संचालित करने पर चर्चा कि गई संस्था की ओर से इसमें भाग लिया गया।

11. केस स्टडी :– राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा महिलाओं के कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार व आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया गया। व साथ ही समय समय पर उनके कार्य की जानकारी हेतु उनका नियमित फॉलोअप किया गया। फॉलोअप से महिलाओं की सफलता की जानकारी प्राप्त होती है। उन्हीं सफल महिलाओं की कहानी निम्न रूप से है –

श्रीनगर ब्लॉक के दुर्गम क्षेत्र के गॉव में रहने वाली 32 वर्षीय रजनी एक कठीन परिश्रमी महिला है। बचपन से ही रजनी पढाई में तेज थी । परन्तु घर वालों ने 8वीं के बाद रजनी की पढाई छुडवाकर उसका विवाह कर दिया। विवाह के तीन वर्ष बाद ही पति की मृत्यु से रजनी को बढा आघात पहुॅचा। उस समय रजनी के सामने आर्थिक स्थिति उत्पन्न होने लगी क्योंकि रजनी पर एक बच्चे की शिक्षा व स्वासयि की जिममेदारी भी थी रजनी को जब पता चला की राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान की ओर से बेग मेकिंग प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है और रजनी ने तुरन्त अपना नाम प्रशिक्षण में लिखवाया। तीन माह के इस प्रशिक्षण में रजनी ने जूट लेदर, रेग्जीन आदि के भिन्न भिन्न डिजाईन के बेग बनाने सिखें। रजनी प्रशिक्षण के दौरान भी बेग बनाती है जिसे वह अपने मिलने वालों को बेचती थी जिससे रजनी को आमदनी प्राप्त होती थी। प्रशिक्षण के अन्त में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें रजीन द्वारा बनाये गये बेगों की सभी महिलाओं द्वारा प्रशंसा की गई। और उन्हें खरीदा जिससे रजनी को प्रोत्साहन मिला। प्रशिक्षण के अन्त में राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान की ओर रजनी को निःशुल्क सिलाई मशीन वितरित कि गई जिससे रजनी घर पर बैठ कर बेग बनाती है। अब रजनी को बेग बनाने से अच्छी खासी आमदनी मिल रही है। जिससे वो अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा व पोषण दे पा रही है। अब रजनी आत्मनिर्भर बनी है और गॉव में उस सम्मान मिला।